



<p>‘क’ वाक्य में ‘ही’ के प्रयोग से यह परिवर्तन आया है कि हमारा वतन तो लाहौर है, अन्य नहीं। भले ही भारत में कोठी बनाकर रह रहे हैं किंतु वतन लाहौर है।</p>	<p>‘ख’ वाक्य में ‘ही’ के प्रयोग से यह परिवर्तन आया कि हुकूमत के कानून से भी परे कुछ अन्य नियम होते हैं जिनकी महत्ता हुकूमत के कानून से भी अधिक है।</p>
<p>वाक्य</p> <ol style="list-style-type: none">1. मुझे तो रसमलाई ही खानी है।2. मुझे कानपूर ही जाना है3. विद्यालय तो आपका ही अच्छा है।4. उसकी कार काली ही है।5. कन्या तो आपकी ही है।	<p>वाक्य</p> <ol style="list-style-type: none">1. क्या सब कानून आपके ही माने जाएँगे?2. क्या सारा ज्ञान आज ही देंगे?3. क्या आप मुझे विद्यालय से निकाल ही दोगे?4. क्या फुटबॉल लड़कें ही खेलते हैं?5. क्या रमेश राजनैतिक पत्रिका ही पढ़ता है?

2. नीचे दिए गए शब्दों के हिन्दी रूप लिखिए –

मुरौवत, आदमियत, अदीब, साडा, मायने, सरहद, अक्स,
लबोलहजा, नफीस

शब्द	हिन्दी रूप
मुरौवत	इंसानियत
आदमियत	मानवता
अदीब	साहित्यकार
साडा	हमारा
मायने	अर्थ
सरहद	सीमा
अक्स	फोटो कॉपी
लबोलहजा	बोलने का ढंग
नफीस	सुरुचिपूर्ण

3. पंद्रह दिन यों गुजरे कि पता ही नहीं चला-वाक्य को ध्यान से पढ़िए और इसी प्रकार के (यों,कि, ही से युक्त पाँच वाक्य बनाइए।)

उत्तर:- 1. यों ही हम घर से निकलने वाले थे कि रिश्तेदार आ गए।

2. वह यों ही चला गया कि पता ही नहीं चला।

3. रोहन यों आया कि खबर ही न हुई।

4. भाई साहब ने यों ही बोल दिया कि कुछ काम नहीं किया।

5. कुछ वर्ष यों ही बीत गए कि पता ही नहीं चला।

